



सत्यमेव जयते

डॉ. ओ. पी. चौधरी, आई.एफ.एस.
Dr. O. P. Chaudhary, IFS
अध्यक्ष / Chairman



भारतीय जीव जन्तु कल्याण बोर्ड
ANIMAL WELFARE BOARD OF INDIA

भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
(पशुपालन और डेयरी विभाग)

Government of India
Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying
(Department of Animal Husbandry and Dairying)

दिनांक: 06 सितम्बर, 2024

संदेश

हर वर्ष विश्व रेबीज दिवस, 28 सितंबर को मनाया जाता है जो रेबीज के बोझ के बारे में जागरूकता पैदा करने और इसके निवारक उपायों को उजागर करने के लिए एक वैश्विक कार्यक्रम है। स्वास्थ्य क्षेत्र और पशुपालन के विशेषज्ञों सहित दुनिया भर में हजारों व्यक्तियों, पशु कल्याण कार्यकर्ताओं, पशु कल्याण संगठनों, पालतू कुत्तों के लिए नियमित पशु विरोधी रेबीज टीकाकरण और आवारा कुत्तों के लिए बड़े पैमाने पर एंटी-रेबीज टीकाकरण के माध्यम से रेबीज के नियंत्रण और जिम्मेदार पालतू स्वामित्व से संबंधित मुद्दों पर जनता को संवेदनशील बनाने के लिए सभी भाग लेते हैं। यह हम सभी के लिए "मानव के सबसे अच्छे दोस्त" की मदद करने का सही समय है।

रेबीज एक घातक बीमारी है जो विशेष रूप से बच्चों को पागल कुत्ते के काटने से फैलती है क्योंकि वे पागल कुत्तों के लिए आसान लक्ष्य हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सूचित किया है कि भारत में रेबीज के कारण बड़ी संख्या में मनुष्य और पशुधन मर जाते हैं जिससे बड़ा वित्तीय बोझ पड़ता है। रेबीज मुख्य रूप से पागल कुत्तों के काटने से फैलता है, लेकिन संक्रमित जानवर से तार के साथ टूटी हुई त्वचा या श्लेष्म झिल्ली के संदूषण के माध्यम से भी जोखिम हो सकता है। एक बार जब बीमारी के न्यूरोलॉजिकल लक्षण विकसित हो जाते हैं, तो रेबीज जानवरों और मनुष्यों दोनों के लिए घातक होता है। अच्छी खबर यह है कि रेबीज पूरी तरह से रोकथाम योग्य है। "सभी कुत्तों का सामूहिक टीकाकरण रेबीज के नियंत्रण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और रेबीज की रोकथाम में सबसे महत्वपूर्ण कारक के साथ-साथ सबसे अधिक लागत प्रभावी तरीका है"। समय पर पोस्ट एक्सपोजर आई/डी वैक्सीन और इम्युनोग्लोबुलिन का प्रशासन रेबीज विकासशील देशों में रेबीज से मनुष्यों को पूर्ण सुरक्षा प्रदान करता है। हालांकि, निवारक उपायों की उच्च लागत विकासशील देशों में व्यक्तियों और समाज पर पर्याप्त आर्थिक बोझ डालती है, और विशेष रूप से उन लोगों को प्रभावित करती है जो इसे कम से कम वहन कर सकते हैं।

भारतीय जीव जन्तु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) अपने पंजीकृत पशु कल्याण संगठनों और स्थानीय नागर निकायों के माध्यम से पूरे देश में पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) / एंटी-रेबीज टीकाकरण (एआरवी) कार्यक्रम की सुविधा के लिए भारत सरकार की नोडल

जारी. पेज 2 पर

एजेसी है। कई नगर निगम और नागरिक निकाय अपने-अपने क्षेत्रों में एडब्ल्यूबीआई के साथ भागीदारी के आधार पर एबीसी/एआर कार्यक्रम का समर्थन और कार्यान्वयन करने के लिए आगे आए हैं। एडब्ल्यूबीआई ने पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम के तहत आवारा कुत्तों की नसबंदी के लिए मानक संचालन प्रक्रिया और उनके एंटी-रेबीज टीकाकरण पर एक मैनुअल निकाला है, जिसका एडब्ल्यूओ के सभी कार्यान्वयन एबीसी कार्यक्रम द्वारा सख्ती से पालन करने की आवश्यकता है।

भारत में आवारा कुत्तों की आबादी दिन-ब-दिन बढ़ रही है और हमें भारत में रेबीज को नियंत्रित करने के लिए एक रणनीति विकसित करने की आवश्यकता है। पालतू कुत्तों के अधिक प्रभावी नगरपालिका लाइसेंसिंग के साथ आवारा कुत्तों की आबादी से निपटने की तत्काल आवश्यकता है और बेहतर और जिम्मेदार कुत्ते की देखभाल और प्रबंधन प्रथाओं के लिए जागरूकता अभियान की आवश्यकता है। यह वह जगह है जहां कुत्ते के मालिक, नागरिक, समाज, पशु कल्याण और गैर-सरकारी संगठन सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। इतनी बड़ी संख्या में आवारा कुत्तों को पकड़ने, बन्ध्यकरण करने और पुनः छोड़ने में एबीसी कार्यक्रम के सफल परिणाम के लिए एक बड़ी चुनौती है। पशु जन्म नियंत्रण/एंटी रेबीज कार्यक्रम, बड़े पैमाने पर रेबीज रोधी टीकाकरण और शिक्षा कार्यक्रमों को बढ़ावा देकर और कार्यान्वित करके रेबीज के बोझ को कम किया जा सकता है।

अतः सभी पशु प्रेमियों, पशु कल्याण कार्यकर्ताओं, गैर-सरकारी संगठनों और आंगनवाड़ी संगठनों से अनुरोध है कि वे "रेबीज मुक्त भारत" के संदेश को उचित तरीके से प्रचार-प्रसार करें ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अधिक से अधिक संख्या में आवारा कुत्तों/स्वामित्व वाले कुत्तों की नसबंदी की जाए और आवारा/पालतू कुत्तों का बड़े पैमाने पर रेबीज रोधी टीकाकरण अभियान आपके संबंधित मोहल्ले/कस्बे में आयोजित किया जाए और विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर रेबीज की रोकथाम के बारे में समाज में जन जागरूकता पैदा की जाए। हमें 28 सितंबर, 2024 को विश्व रेबीज दिवस मनाने की अपनी गतिविधियों की प्रेस क्लिपिंग, फोटो, वीडियो प्रदान करें ताकि उन्हें भारतीय जीव जन्तु कल्याण बोर्ड के प्रकाशनों में उजागर किया जा सके।



(डॉ. ओ.पी. चौधरी)



सत्यमेव जयते

डॉ. ओ. पी. चौधरी, आई.एफ.एस.
Dr. O. P. Chaudhary, IFS
अध्यक्ष / Chairman



भारतीय जीव जन्तु कल्याण बोर्ड
ANIMAL WELFARE BOARD OF INDIA

भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
(पशुपालन और डेयरी विभाग)

Government of India
Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying
(Department of Animal Husbandry and Dairying)

Date: 6th September, 2024

MESSAGE

World Rabies Day is observed on September 28th every year which is a global event to create awareness about the burden of rabies and to highlight its preventive measures. Thousands of individuals, animals welfare activists, animal lovers, animal welfare organizations all over the world including the experts from health sector and Animal Husbandry participate to sensitize the public on the issues related to control of Rabies and responsible pet ownership through regular animal anti-rabies vaccination for pet dogs and mass anti-rabies vaccination for stray dogs. This is the right time for all of us to help the "Man's Best Friend".

Rabies is a fatal disease which is transmitted by rabid dog bites especially to children as they are easy targets of rabid dogs. The World Health Organization has reported that a sizeable number of human beings and livestock die in India due to rabies causing large financial burden. Rabies is transmitted mainly by rabid dogs bite, but exposure may also occur through contamination of broken skin or mucous membranes with saliva from an infected animal. Once neurological symptoms of the disease develop, rabies is fatal to both animals and humans. The good news is that rabies is fully preventable. *"Mass Vaccination of all dogs is a crucial part of control of Rabies, and is the single most important factor as well as the most cost-effective method in rabies prevention"*. Timely administration of post exposure I/d vaccine and immunoglobulin provides full protection to human beings from Rabies in Rabies endemic countries. However, the high costs of preventive measures exert a substantial economic burden on individuals and societies in developing countries, and particularly affects those who can least afford it.

Animal Welfare Board of India (AWBI) is nodal agency of the Govt. of India for facilitating the Animal Birth Control (ABC) / Anti-Rabies Vaccination (ARV) programme all over the country through its registered animal welfare organizations and civic bodies. Several municipal corporations and civic bodies have come forward to support and implement the ABC/AR programme on participatory basis with AWBI in their respective areas. The AWBI has brought out a manual on "Standard Operating Procedures for Sterilization of Stray Dogs under the Animal Birth Control Programme and their Anti-Rabies vaccination", which needs to be strictly followed by all AWO's implementing ABC programme.

Contd...2

Stray dog population in India is growing by the day and we need to evolve a strategy to control Rabies in India. There is an urgent need to tackle the stray dog population with a more effective municipal licensing of pet dogs and awareness campaigns for better and responsible dog care and management practices are needed. This is where dog owners, civic societies, animal welfare and non-government organizations can play a proactive role. The sheer magnitude and logistics of catching, neutering and releasing of such a huge number of stray dogs is a big challenge for the successful outcome of the ABC programme. The burden of rabies can be decreased by promoting and implementing Animal Birth Control / Anti Rabies Programme, mass anti rabies vaccination and education programmes.

It is therefore requested that all the animal lovers, animal welfare activists, NGOs and AWOs to spread the message "Rabies Free India" in a befitting manner by ensuring that maximum number of stray dogs / owned dogs are sterilized / neutered and mass anti-rabies vaccination drive of stray / pet dogs is organized in your respective locality / town and public awareness is created in the Society about prevention of Rabies on the occasion of World Rabies Day. Please do provide us with press clippings, Photos, videos of your activities of observance of World Rabies Day on 28th September 2024 so as to highlight them in publications of Animal Welfare Board of India.



(Dr. O.P. Chaudhary)